Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

तुम को जाना है जहां तक

तुम को जाना है जहां तक, तुम को माना वहां तक,
इस ज़मीं से आसमाँ तक, देह से परमात्मा तक।
तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है,
तू ही तू है, तू ही तू है, दूसरा कोई नहीं॥

दर्शनों की आस लेकर, चल पड़ा हूँ हो बेफिकर,
कब कहाँ पर तुम मिलोगे, ये नही मुझको है खबर।
ज़िन्दगी के रास्ते में, देखता हूँ जिस तरफ भी,
तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है॥
दूसरा कोई नहीं . . .

मैं नदी की हर लहर को, देखता तो हूँ एक टक,
किस लहर में मिल सकेगी, तेरे चितवन की इक झलक।
मन की महकी वादियों में, देखता हूँ जिस तरफ भी,
तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है॥
दूसरा कोई नहीं . . .

चाँद तारों में तुम्हारी, रश्मियों की है इक झलक,
फिर भी छूना चाहती है, आप को दिल की ये ललक।
इस नशीली रात में भी, देखता हूँ जिस तरफ भी,
तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है॥
दूसरा कोई नहीं . . .